माननीय अध्यक्ष,　　　　　　　　　　　　　　　　तिथि – 28/12/2007
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग,
भारत, दिल्ली।

विषय :– उड़ीसा प्रांत में अल्पसंख्यक इसाई मतावलंबियों पर किये जा रहे हमलों को रोकने के सन्दर्भ में।

महोदय,

उड़ीसा प्रांत में अल्पसंख्यक इसाई मतावलंबियों और उनके चर्चों के ऊपर किये जा रहे हमले भारत की साझी विरासत एवं साझी संस्कृति की परम्पराओं के साथ ही साथ भारतीय संविधान एवं भारतीय शासन प्रणाली के विपरीत तथा अमानवीय हैं।

इन हमलों को साम्प्रदायिक फासीवाद के अलावा और कोई संज्ञा नहीं दी जा सकती। यह केवल अल्पसंख्यक इसाइयों के लिए ही चिंताजनक नहीं है वरन् हमारे लोकतांत्रिक ताने–बाने को भी खुली चुनौती है।

आपसे अनुरोध है कि अपने पद एवं गरिमा का निर्वाह करते हुए केन्द्रीय तथा राज्य सरकार को इन फासीवादी हमलों पर अविलम्ब रोक लगाने और दोषियों को दण्डित करने का निर्देश दें।

निवेदक

- धीरेन्द्र प्रताप सिंह/मोना सूर, साम्राज्यवाद विरोधी अभियान, कानपुर, उ.प्र.
- विजय शंकर, अध्यक्ष बिहान, उ.प्र.
- वकार अहमद, जीने का अधिकार अभियान, इलाहाबाद, उ.प्र.,
- शिवराज, काम का अधिकार अभियान, कानपुर, उ.प्र.
- शेर बहादुर, सागर सोसायटी, जौनपुर, उ.प्र.
- ईश्वर चन्द, विवके साधना मन्दिर, इलाहाबाद, उ.प्र.
- वी. के. राय, सी. ई. आर. टी. भदोही, उ.प्र.
- अदियोग, आवाज, लखनऊ, उ.प्र.
- सुनीता सिंह, इंसानी बिरादरी, बाराबंकी, उ.प्र.
- मों. उस्मान, आरोही विकास समिति, कौशांबी, उ.प्र.
- जावेद बख्त, साझी मुहिम, इलाबाद, उ.प्र.
- मों. एहतेशाम, स्वराज उत्थान समिति, इलाबाद, उ.प्र.
- लाल चन्द मुसहर, मेहनतकश मोर्चा, वाराणसी, उ.प्र.
- राजेश चन्द्र, आलोका, आर. एस. बिष्ट, पीस, नई दिल्ली
- अखिल बाबू, अन्तरदृष्टि, आगरा, उ.प्र.